# अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300 / 80 संख्या 159 श्री विजय पुरम, मंगलवार, 16 जून 2026 web: dt.andamannicobar.gov.in 2.00 रूपए


# ज़िला परिषद सदस्यों और नवाचारी किसानों के साथ संवाद बैठक हुई

श्री विजय पुरम, 15 जून

देशव्यापी "खेत बचाओ अभियान" के अंतर्गत, आईसीएआर–केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान (सीआईएआरआई), श्री विजय पुरम ने कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), दक्षिण अण्डमान के सहयोग से 15 जून, 2026 को ज़िला परिषद सदस्यों और नवाचारी किसानों के साथ संवाद बैठक का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन के महत्व, नवीन कृषि प्रौद्योगिकियों को अपनाने, सतत कृषि पद्धतियों तथा किसान समुदाय के कल्याण एवं विकास के लिए उपलब्ध विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करना था।

डॉ. जय सुंदर, निदेशक, आईसीएआर–सीआईएआरआई ने इस बात पर ज़ोर दिया कि अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के अनेक किसान सफलतापूर्वक नवाचारी खेती कर रहे हैं और उनके पास द्वीपीय कृषि का समृद्ध अनुभव है। इससे पूर्व, डॉ. वाई. रामकृष्ण, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), दक्षिण अण्डमान ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और सतत कृषि उत्पादन के लिए मृदा स्वास्थ्य बनाए रखने के महत्व पर प्रकाश डाला।

संवाद सत्र के दौरान, कई नवाचारी और प्रगतिशील किसानों ने अपने अनुभव और सफलता की कहानियाँ साझा कीं। पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित कामाची चेल्लम्माल, जिन्हें दक्षिण अण्डमान के रंगाचांग की "नारियल अम्मा" के नाम से लोकप्रिय रूप से जाना जाता है, ने जैविक नारियल एवं सुपारी की खेती, जल संरक्षण और

बहुफसली प्रणाली में अपने अग्रणी प्रयासों पर प्रकाश डाला। प्रगतिशील किसान श्री पच्वई मुथु, श्री अजय साओजल, श्री बिमल दास, श्री जॉयमर, श्री श्रीसिंह तथा अन्य किसानों ने भी जल एवं मृदा संरक्षण उपायों को अपनाने के अपने अनुभवों के साथ–साथ केवीके और आईसीएआर–सीआईएआरआई द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं अध्ययन भ्रमणों से प्राप्त लाभों को साझा किया।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इससे पूर्व, डॉ. ज़कारिया जॉर्ज, विषय वस्तु विशेषज्ञ, ने प्रगतिशील किसानों एवं एटीएमए के प्रतिनिधियों का स्वागत किया तथा कृषि उत्पादकता और आय बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक एवं सतत कृषि पद्धतियों को अपनाने के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का समापन श्री मोहित, विषय वस्तु विशेषज्ञ, द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।